प्रश्न: ऐसा लगता है कि सुसमाचारों में थोड़ा अंतर है — यीशु पहाड़ पर छह दिन बाद गए या आठ दिन बाद?
मत्ती 17:1 और मरकुस 9:2 में “छह दिन बाद” कहा गया है, लेकिन लूका 9:28 में “लगभग आठ दिन बाद” लिखा है।
तो सही क्या है?

आइए बाइबल के अंशों को ध्यान से देखें:

मत्ती 17:1 (ERV-HIN)
छह दिन बाद यीशु ने पतरस, याकूब और उसके भाई यूहन्ना को अपने
साथ लिया और उन्हें एक ऊँचे पहाड़ पर अकेले ले गये।

मरकुस 9:2 (ERV-HIN)
छः दिन बाद यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ अकेले
एक ऊँचे पहाड़ पर ले गये। वहाँ उनके देखते-देखते यीशु का रूप बदल गया।

लूका 9:28 (ERV-HIN)
यह बातें कहे जाने के कोई आठ दिन बाद यीशु पतरस, यूहन्ना और

याकूब को साथ ले कर प्रार्थना करने के लिये पहाड़ पर चढ़ गये।

तो सही क्या है — छह या आठ दिन?

यहाँ कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह अंतर इस बात में है कि दिनों की गिनती कैसे की गई है, और लेखक किस बात पर ज़ोर देना चाहता है:

मत्ती और मरकुस छह पूर्ण दिन गिनते हैं — जब यीशु ने भविष्यवाणी की (मत्ती 16:28 / मरकुस 9:1) से लेकर पहाड़ पर चढ़ने के दिन तक। वे उस भविष्यवाणी और इसके पूरा होने के बीच के समय पर ज़ोर देते हैं।

मत्ती 16:28 (ERV-HIN)
मैं तुमसे सच कहता हूँ कि यहाँ जो खड़े हैं उनमें से कुछ ऐसे हैं जो जब तक परमेश्वर के राज्य को सामर्थ सहित आता हुआ न
देख लें, तब तक मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे।

लूका, दूसरी ओर, एक अधिक सामान्य भाषा का उपयोग करता है:

“लगभग आठ दिन बाद…”
यूनानी शब्द hosei (ὡσεὶ) का अर्थ है “लगभग”। लूका संभवतः

भविष्यवाणी के दिन, उसके बाद के छह दिन, और पर्वतारोहण के
दिन — सभी को मिलाकर आठ दिन कहता है।

तो सारांश में:

मत्ती और मरकुस: भविष्यवाणी और महिमामंडन के बीच छह दिनों के अंतराल को गिनते हैं।
लूका: पूरे कालखंड को शामिल करते हैं और उसे “लगभग आठ दिन” के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

महिमामंडन (Transfiguration) का आत्मिक महत्व क्या है?

यीशु का महिमामंडन उनके सेवकाई के एक मुख्य क्षण को दर्शाता है।
यह उनके तीन सबसे निकटतम चेलों — पतरस, याकूब और यूहन्ना — को यीशु की दिव्य महिमा की झलक दिखाता है, यह सिद्ध करता है कि:

यीशु परमेश्वर का पुत्र हैं,
वे व्यवस्था (मूसा) और भविष्यवाणी (एलियाह) की पूर्ति हैं,
और परमेश्वर की महिमा में उनका राज्य प्रकट होगा।

मत्ती 17:2–3 (ERV-HIN)
उनके देखते ही देखते यीशु का रूप बदल गया। उनका मुख सूर्य की तरह चमकने लगा और उनके वस्त्र प्रकाश के समान उज्जवल हो गये। तभी मूसा और एलियाह उन्हें दिखाई दिये और वे यीशु से बातें कर रहे थे।

मत्ती 17:5 (ERV-HIN)
वह यह कह ही रहा था कि एक प्रकाशमय बादल ने उन्हें ढक लिया और उस बादल में से एक वाणी आयी, “यह मेरा प्रिय पुत्र है। मैं इससे बहुत प्रसन्न हूँ, इसकी सुनो।”

यह वही घटना है जो यीशु ने मत्ती 16:28 में कही भविष्यवाणी को आंशिक रूप से पूरा करती है — चेलों ने यीशु को उसके राज्य की महिमा में देखा, भले ही वह पूर्ण रूप से नहीं आया था।

आध्यात्मिक प्रश्न: क्या आप तैयार हैं?

महिमामंडन केवल अतीत की घटना नहीं है — यह भविष्य की ओर भी इशारा करता है:
यीशु फिर से आयेंगे, सामर्थ और महिमा में।

लूका 12:35–36 (ERV-HIN)
तैयार रहो और अपने दीपक जलाये रखो। उन सेवकों की तरह बनो जो अपने स्वामी के विवाह समारोह से लौटने की प्रतीक्षा में हों ताकि वह आये और दरवाज़ा खटखटाये तो वे तुरंत ही उसके लिए खोल दें।

क्या आपकी आत्मा का दीपक जल रहा है?
या आप अब भी पाप में जी रहे हैं — यौन पाप, नशा, आत्मिक समझौते या सांसारिक व्यस्तताओं में?

1 तीमुथियुस 4:1 (ERV-HIN)
आत्मा स्पष्ट रूप से कहती है कि अंतिम समय में कुछ लोग
विश्वास से गिर जायेंगे और धोखा देने वाली आत्माओं और दुष्ट आत्माओं की शिक्षाओं की ओर ध्यान देंगे।

ये अंतिम दिन हैं।
पवित्र आत्मा सचेत कर रहा है और पुकार रहा है।
यदि आप अब भी पश्चाताप को टाल रहे हैं या किसी विशेष अनुभव की प्रतीक्षा में हैं — तो जान लीजिए, यीशु पहले से ही बोल रहे हैं

— अपने वचन, अपने लोगों और अपने आत्मा के द्वारा।

निष्कर्ष: विरोध नहीं, बल्कि पूरक दृष्टिकोण

चारों सुसमाचार लेखक अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, लेकिन सन्देश एक है:
यीशु परमेश्वर के महिमामयी पुत्र हैं, और हमें आत्मिक रूप से जागरूक रहना है — उनकी वापसी के लिए।

2 पतरस 1:16–17 (ERV-HIN)
जब हमने तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ और उसके
आगमन के विषय में बताया, तो हमने कोई मनगढ़ंत कथा नहीं गढ़ी। हमने उसकी महिमा अपनी आँखों से देखी थी। जब पिता परमेश्वर
ने उसे आदर और महिमा दी, तब उस महान महिमा में से यह वाणी
आयी, “यह मेरा प्रिय पुत्र है, मैं इससे बहुत प्रसन्न हूँ।”

मरनाथा! प्रभु शीघ्र आने वाला है।
तैयार रहो। पवित्र बनो।
तुम्हारा दीपक जलता रहे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp